RAJASTHAN PATRIKA.
date - 25/06/2010

उपस्थित थे। टक्स (इइटा)' के स्थान पर पर संशोधना को स्वीकाय बताया। इस आंतम तिथि है।

व्यवसाय

विकास दर 10 से 12 फीसदी

उपेक्षा का शिकार कोरुगेटेड उद्योग

कार्यालय संवाददाता कोलकाता

सरकार की उपेक्षा का शिकार कोरुगेटेड उद्योग का तीव्र गति से विकास नहीं हो पा रहा है। पूर्वी भारत में कोरुगेटेड बॉक्स का काफी बड़ा कारोबार होता है। इसके बावजूद औद्योगिक इकाइयों को सरकार की ओर से किसी प्रकार की सहयोग नहीं मिलता है। ईस्टर्न इंडिया कोरुगेटेड बॉक्स मैन्युफ्रेक्चर्स एसोसिएशन (ईआईबीएम) के अध्यक्ष हेमंत सरावगी ने बताया कि कोरुगेटेड बॉक्स की पूर्वी भारत में करीब 300 इकाइयां हैं। जबकि बंगाल में 200 से 225 इकाइयां हैं। कम लागत में शुरू होने से यह कुटीर उद्योग के रूप में भी काफी फैला हुआ है।

व्यापार का मुख्य केंद्र : कोरुगेटेड बॉक्स का उपयोग एफएमसीजी, कपड़ा, चाय, साबुन सहित प्रायः सभी चीजों की पैकिंग में होता है। यह ईको-फ्रेंडली भी है।

उद्योग की वर्तमान स्थिति : सरावगी ने बताया कि फिलहाल कच्चे माल की काफी कमी है। कागज के दाम भी तेजी से बढ़ रहे हैं। इस कारण उद्योग का विकास नहीं हो पा रहा है। फिलहाल पूर्वी भारत में उद्योग की विकास दर 10 से 12 फीसदी है।

कितनों को रोजगार : राज्य के करीब तीन लाख लोग इस उद्योग से प्रत्यक्ष ओर अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं।

उद्योग की समस्याएं : सरावगी ने बताया कि कोरुगेटेड बॉक्स उद्योग विभिन्न समस्याओं से जूझ रही है। कागज के दाम भी बेतहाशा बढ़ रहे हैं। सरकार की ओर से उद्योग को कोई सहयोग नहीं मिल रहा है। राहत के लिए सरकार को कस्टम ड्यूटी पर छूट देने की आवश्यकता है।

संभावनाएं : कोरुगेटेड उद्योग का कोई अन्य विकल्प नहीं है। इस कारण उद्योग के विकास की काफी अपार संभावनाएं हैं।

यहां से आता है कच्चा माल : कोरुगेटेड बॉक्स के लिए कच्चा माल खड़गपुर, लिलुआ, बर्दवान, नैहाट्टी के अलावा महाराष्ट्र के औरंगाबाद, मुजफ्फरनगर से भी आता है। कोरुगेटेड बॉक्स काफी नाजुक चीज होने के कारण सिर्फ 250 से 300 किलोमीटर के दायरे

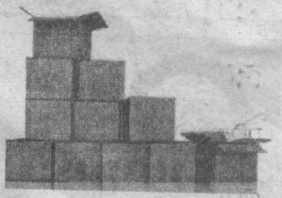

में आपूर्ति किया जाता है।

कोरुगेटेड बॉक्स का उत्पादन : कोरुगेटेड बाक्स का उत्पादन प्रायः राज्य के सभी जिलों में होता है। राज्य में करीब 40 से 50 करोड़ कोरुगेटेड बॉक्स का उत्पादन प्रति वर्ष किया जाता है। पूर्वी भारत में उड़ीसा, असम सहित अन्य क्षेत्रों में करीब 75 करोड़ कोरुगेटेड बॉक्स का उत्पादन किया जाता है। पूर्वी भारत में प्रति वर्ष कोरुगेटेड उद्योग में करीब 300 करोड़ रुपए का टर्नओवर होता है।